Case study on subsidy of Vermin Compost

Headline: किसान क्लब से **हुए संगठित किसान, बनाए जैविक खाद, लिए अनुदान |**

Background: सरकार के तरफ से कृषि के क्षेत्र में क्रियान्वयन होने वाली योजनाओं के लाभार्थी ग्रामीण क्षेत्र के अशिक्षित एवं असंगठित किसानो की संख्या अधिक है जिन्हें ना तो प्रक्रियाएँ पता होता है, ना ही पदाधिकारी से बेहतर समन्वय, एवं किसान तो संगठित है ही नहीं, ऊपर से किसानो में सरकारी विभाग के बारे में नकारात्मक सोच | इसलिए वर्मी कम्पोस्ट अनुदान की प्रक्रिया में पदाधिकारी भी किसान के काम से नाखुश एवं किसान को भी सही रूप में लाभ नहीं मिलता रहा है | रासायनिक खाद से आदी किसान का जैविक खाद के प्रति नकारात्मक सोच बदलने हेतु एक प्रयास |

Rational : किसान क्लब के गठन के बाद मासिक बैठक में जब उनसे कृषि समस्याओ पर सामूहिक चर्चा हुई ,तो पाया की सभी किसान महंगे एवं स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाली रासायनिक उर्वरक प्रयोग के आदी होने से प्रभावित है | वैकल्पिक प्रयोग जैविक खाद बनाने हेतु चर्चा करने पर उन्होंने नकरात्मक प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह सब सफल नहीं है | एक तो जो लोग बनाया उन्हें सफलता नही मिली | दूसरा कि बनाने के बेहतर जानकारी नहीं है एवं पूंजी भी नहीं है| जब उन्हें बताए कि सरकार के तरफ से भी अनुदान मिल सकते है तो किसानो ने नकारात्मक विचार सरकारी विभाग के प्रति बताया |

Process: किसानो को किसान क्लब के माध्यम से संगठित कर चार-पांच मासिक बैठक में जैविक खाद बनाने हेतु प्रेरित किया तो कुछ किसान बनाने को तैयार हुए | उन्हें बनाने की प्रशिक्षण संस्था द्वारा दी गई | कंचन सेवा आश्रम सीमेंट बालू और ईंट का सहयोग दिया और किसान भी अपना अंशदान किया | इस तरह से बेड तैयार हो जाने पर उन्होंने प्रशिक्षण के अनुरूप तैयार गोबर बने बेड में डाला | जब बेड भर गया तो कंचन सेवा आश्रम प्रति वेड चार किलो केचुआ उपलब्ध करवाई | इस तरह से प्रति बेड औसतन चार क्विंटल तीन माह में केचुआ आधारित खाद प्राप्त किया, जिसे खेत में डालकर रासायनिक उर्वरक से तुलनात्मक परख किया गया तो पाया कि परिणाम उपज और फसल के हरियाली में मामले में अच्छा मिला है | प्रथम परख में पहले के तुलना में रासायनिक उर्वरक की मात्रा आधा की गयी थी |

जिला कृषि पदाधिकारी श्री विजय प्रकाश जी से मिलकर केंचुआ आधारित खाद बनाने वाले किसानो को मिलने वाले अनुदान की प्रक्रिया पर बात की, तो उन्होंने बताया कि, आठ तरह के प्रपत्र में भरकर किसान कृषि विभाग में जमा करेंगे | जिसे जांचोप्रान्त किसान के खाते में प्रति यूनिट (3000Rs.)तीन हजार रुपया दिया जायेगा | किसान द्वारा पदाधिकारी के कहे अनुसार बेड सहित किसानो के फोटो एवं पासपोर्ट साइज के फोटो सहित आवेदन करवाया गया तो आवेदित 80 यूनिट के किसानो को उनके खाते में प्रति यूनिट के हिसाव से तीन हजार रुपया जिला कृषि कार्यालय से एन ए एफ टी किया गया | इस तरह से कुल (240,000) दो लाख चालीस हजार रुपया किसानो को अनुदान से प्राप्त हुए |

Resources require: संगठित किसान, प्रशिक्षण, ईंट से बना वर्मी बेड, बेड के ऊपर छाया, गोबर, केंचुआ ,कृषि विभाग से समन्वय, विभाग के अनुसार भरा हुआ प्रपत्र फोटो सहित, बिल वाउचर, लाभार्थी के नाम बैंक खाता का फोटो कापी |

Facilitating factor: किसानो के कृषि में मंहगे रासायनिक उर्वरक के कुप्रभाव से मुक्ति की चाहत, किसान क्लब, कम लागत से जैविक खाद का बनना, मिटटी के उर्वरा शक्ति बढ़ाने/बचाने की किसानो का आस्था, कालांतर में गोबर से खेती होने के इतिहास | उससे उत्पाद का परिणाम स्वास्थ्य के प्रतिकूल, घर के आस पास साफ सफाई की चाहत |

Challenge over come: केंचुआ को बचाए एवं जिन्दा रखना,

Result observed: कम लागत से खाद का उत्पादन, जिसका गत सीजन में गेंहू, सब्जी, धान के फसल में जबरदस्त अच्छा परिणाम, उत्पादन में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी एवं उरर्वक के तुलना में .5 प्रतिशत ही लागत, उर्वरा शक्ति की

निरंतरता, जिला कृषि से प्रति वर्मी बेड तीन हजार कुल अस्सी बेड का दो लाख चालीस हजार अनुदान मिलना | घर के आसपास साफ़-सफाई एवं अधिक मुनाफा होने पर शौचालय निर्माण में वृद्धि |

Lesson learned: मीनापुर बलहा ओम किसान क्लब के अध्यक्ष संजय कुमार ने न सिर्फ बनाये अपने खेती के लिया बल्कि उन्होंने इसे बेचते हुए व्यवसायी के तौर पर इसे विकसित किये है | इस तरह रामदुलारी देवी ग्राम पकडी, पंचायत बरिया पुरनहिया ने भी उधमिता विकास की है | बैजू महतो नामक व्यक्ति ने टेट्रा बैग में शुरू में बनाकर केचुआ तैयार कर बेचकर काफी रुपया कमाया है अब सरकारी अनुदान मिलते देख ईंट वाला बेड बनाकर बड़े पैमाने पर बनाने को प्रेरित हुआ |

Additional information: इस तरह आमदनी बढ़ने से मई 2017 में 18 किसान स्वम के रुपया से व्यक्तिगत शौचालय का निर्माण किये है | वर्मी वाश से सूक्ष्म पोषक तत्त्व स्प्रे हेतु प्राप्त किया गया है, अर्थात कहा जा सकता है 'आम के आम गुठलियों के दाम' |

Beneficiary quotes: संजय कुमार नामक किसान मीनापुर बलहा कहते है कि किसान क्लब के सभी किसानों को केचुआ खाद के फायदे को बताकर सबसे पहले किसान क्लब के लोगो को रासायनिक खाद मुक्त बनवाऊंगा, फिर पुरे गावं में बनाने हेतु प्रचार प्रसार करूँगा | विजय प्रकाश जिला कृषि पदाधिकारी के ईमानदार छवि, कर्तव्यनिष्ठावान पदाधिकारी के कारण यह सब संभव हो सका है |

फोटो: पासबुक का फोटो वर्मी का फोटो निर्मित शौचालय का फोटो

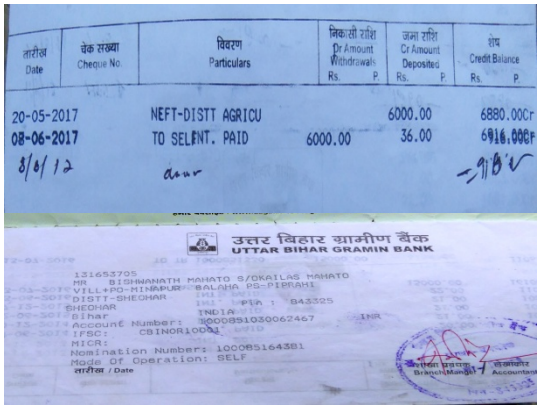

तारीख Date	चेक संख्या Cheque No.	विवरण Particulars	निकासी राशि Dr Amount Withdrawals Rs. P.	जमा राशि Cr Amount Deposited Rs. P.	शेष Credit Balance Rs. P.
20-05-2017		NEFT-DISTT AGRICU		6000.00	6880.00Cr
08-06-2017		TO SELFNT. PAID	6000.00	36.00	6916.00Cr

8/6/17

उत्तर बिहार ग्रामीण बैंक
UTTAR BIHAR GRAMIN BANK

131653705
MR BISHWANATH MAHATO S/OKAILAS MAHATO
VILL+PO-MINAPUR BALAHA PS-PIPRAHI
DISTT-SHEOHAR PIN : 843325
SHEOHAR INDIA
Bihar INR
Account Number: 100085103062467
IFSC: CBINOR10003
MICR:
Nomination Number: 100085164381
Mode Of Operation: SELF